Literacy for a Billion

Movie: Baharen Phir Bhi Aayengi
Year: 1966

Song: Aapke Hasin Rukh Pe
Lyricist: Anjaan

आपके हँसीन रूख पे आज नया नूर है
मेरा दिल मचल गया तो मेरा क्या कुसूर है
आपके हँसीन रूख पे आज नया नूर है
मेरा दिल मचल गया तो मेरा क्या कुसूर है
आपके निगाह ने कहा तो कुछ जुरूर है
मेरा दिल मचल गया तो मेरा क्या कुसूर है

खुली लटों की छाँव में खिला-खिला ये रूप है
खुली लटों की छाँव में खिला-खिला ये रूप है
घटा से जैसे छन रही सुबह-सुबह की धूप है
जिधर नज़र मुड़ी
जिधर नज़र मुड़ी
जिधर नज़र मुड़ी
उधर सुरूर ही सुरूर है
आपके हँसीन रूख पे आज नया नूर है
मेरा दिल मचल गया तो मेरा क्या कुसूर है
झुकी झुकी निगाह में भी हैं बला की शोखियाँ
झुकी झुकी निगाह में भी हैं बला की शोखियाँ

दबी दबी हँसी में भी तड़प रहीं हैं बिजलियाँ
शबाब आपका नशे में खुद ही चूर-चूर है
शबाब आपका नशे में खुद ही चूर-चूर है
शबाब आपका नशे में खुद ही चूर-चूर है
मेरा दिल मचल गया तो मेरा क्या कुसूर है
आपके निगाह ने कहा तो कुछ जुरूर है
मेरा दिल मचल गया तो मेरा क्या कुसूर है

जहाँ-जहाँ पड़े कदम वहाँ फिजा बदल गई
जहाँ-जहाँ पड़े कदम वहाँ फिजा बदल गई
के जैसे सरबसर बहार आप ही में ढल गई
किसी में ये कशिश कहाँ जो आप में हुजूर है
मेरा दिल मचल गया तो मेरा क्या कुसूर है
आपके हँसीन रूख पे आज नया नूर हैं
मेरा दिल मचल गया तो मेरा क्या कुसूर है
आपकी निगाह ने कहा तो कुछ जुरूर है
मेरा दिल मचल गया तो मेरा क्या कुसूर है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.